स्कूल युवा संसद कार्यवाही रिपोर्ट नई शिक्षा विधेयक पर

तिथि: 15/12/2023
स्थान: प्रधानमंत्री श्री के.वी. वायु सेना स्थल राजोकरी
प्रतिभागी: विभिन्न कक्षाओं के 42 स्कूली छात्र
सुविधाकर्ता: सतपाल सिंह, टीजीटी एसएसटी
दीप्ति बल्यान, टीजीटी एसएसटी

परिचय:
स्कूल युवा संसद का आयोजन 15/12/2023 को प्रस्तावित नई शिक्षा विधेयक के प्रावधानों पर चर्चा और विचार-विमर्श के लिए किया गया। इस सभा का उद्देश्य युवा मस्तिष्कों को हमारे देश में शिक्षा के भविष्य के बारे में अपने विचार और चिंताओं को व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

मुख्य बिंदु जो चर्चा किए गए:

1. **पाठ्यक्रम सुधार:**
    - प्रतिभागियों के बीच एक अधिक समग्र और व्यावहारिक पाठ्यक्रम की आवश्यकता के बारे में आम सहमति थी।
    - वित्तीय साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और पर्यावरण अध्ययन जैसे विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल करने के सुझाव दिए गए।
    - रटने की सीखने की पद्धति को कम करने और आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान कौशल को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।
2. **शिक्षक प्रशिक्षण और विकास:**
    - प्रतिभागियों ने शिक्षकों के लिए निरंतर प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।
    - सलाह कार्यक्रमों को लागू करने और शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण विधियों से अद्यतन रखने के लिए संसाधन प्रदान करने के सुझाव दिए गए।
    - शिक्षक-छात्र अनुपात के मुद्दे को संबोधित करने और शिक्षकों के लिए पर्याप्त समर्थन सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की गई।
3. **समावेशिता और पहुंच:**
    - विकलांग छात्रों और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के छात्रों के लिए शिक्षा को अधिक समावेशी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

- सभी छात्रों के लिए सुलभ बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए संसाधन आवंटित करने के सुझाव दिए गए।
- शैक्षिक सामग्री में विविधता को बढ़ावा देना और स्कूलों के भीतर समावेशिता की संस्कृति को बढ़ावा देना आवश्यक माना गया।

4. **मूल्यांकन और आकलन:**
   - वर्तमान परीक्षा-उन्मुख शिक्षा प्रणाली के बारे में चिंताएं व्यक्त की गईं।
   - प्रतिभागियों ने एक अधिक व्यापक मूल्यांकन प्रणाली की वकालत की जो छात्र की सीखने की यात्रा के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन करती है।
   - परियोजना-आधारित आकलन, पोर्टफोलियो और निरंतर मूल्यांकन विधियों को शामिल करने के सुझाव दिए गए।
5. **डिजिटल एकीकरण:**
   - शिक्षा में प्रौद्योगिकी के महत्व को मान्यता देते हुए, प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में डिजिटल उपकरणों और संसाधनों को एकीकृत करने की आवश्यकता पर चर्चा की।
   - हालांकि, डिजिटल विभाजन और सभी छात्रों के लिए प्रौद्योगिकी तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के बारे में चिंताएं उठाईं गईं।
   - छात्रों और शिक्षकों दोनों को डिजिटल प्लेटफार्मों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करने के सुझाव दिए गए।

निष्कर्ष: स्कूल युवा संसद का समापन आशावाद और चल रही चर्चाओं में सकारात्मक योगदान देने के संकल्प के साथ हुआ। सत्र के दौरान साझा किए गए विविध दृष्टिकोणों और विचारों ने शिक्षा के भविष्य को आकार देने में युवाओं की भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया। यह आशा की जाती है कि इस सभा से प्राप्त अंतर्दृष्टि नीति निर्माताओं को सूचित करेगी और हमारे राष्ट्र के लिए एक समग्र और समावेशी शिक्षा नीति के निर्माण में योगदान देगी।